

GOVERNMENT GIRLS COLLEGE, CHOMU (JAIPUR)

Best Practice 1

Women Empowerment

Objectives of the practice:

The empowered women are powerful beyond measure and confident beyond description. The institution, being a girls' college, works to provide a plethora of platforms at college to boost the confidence and groom the personalities of students of the rural backdrop.

The significant objectives of the practice follow thus:

1. To create a free and fair environment for women's education
2. To aware students of human rights and fundamental freedom for equal rights and opportunities
3. To address the issues related to women's safety, health, hygiene, employment etc.
4. To provide student-centric practices for holistic development

Context

As this is an institution for girls, women constitute the total strength and the majority of students come from nearby villages and hamlets with limited available transportation facilities. Providing education and sports facilities, encouraging them to set and achieve their goals and developing confidence in these rural students is the motto of the institution. The institution identifies the need to enable them to respond to the challenges, confront their traditional roles and change their life for betterment by educating these women. The institution is a post-graduate college with Science faculty (Chemistry) as well as Arts faculty (History, Political Science and Hindi Literature) and offers UG programmes in all three faculties viz. Science, Arts and Commerce and follows the calendar set by the Commissionerate of College Education, Government of Rajasthan and syllabi prescribed by the university to which it is affiliated.

The Practice

The college has entered the 23rd year of its inception. During the entire period, the college has been continuously striving to uplift the status of women through education, training and creating awareness. The mission of our institution is to impart education and overall development of students. In response to the aforesaid agenda, our college, Government Girl's College, Chomu, has organized several productive programmes for developing skills among students as well as faculties. It conducts diverse activities to educate and empower them in different spheres of life be it education, sports, or entrepreneurship. In order to educate women's safety rights, various awareness campaigns and drives have been organized by the faculty with the joint collaboration of the police department. NSS team of the college organized a program for basic awareness of cybercrime to protect the rights and duties of women as a part of women empowerment. The police department of Chomu explained how to use personal information and data on mobile/Laptop/Computers, so that cybercrimes against them could be avoided.

Apart from this, excellent sports infrastructure is provided by the institution. Numerous sports

and games competitions are organised by the institution which helps students to gain confidence and identify their talents and capabilities. Additionally, we encourage students to participate in state and national level competitions and take up sports-related careers. Various online workshops and practical training have been conducted by the Home Science department such as textile dyeing and printing workshop, practical training in fresh and dry flower arrangements, culinary skills and Faculty Development Programmes. We also have a strong mentor-mentee system which helps students to get their issues resolved.

Evidence of success

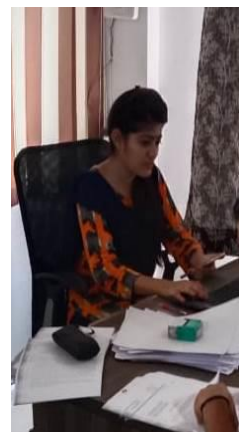
The students of the college have participated in various district and state-level competitions in debate, essays, sports and cultural programmes. A number of players have been selected for the team of the University of Rajasthan and have won accolades for the college. The former students of the college are placed in reputed job profiles and various positions. The list of successful college alumni is everlasting be it in education, social service or entrepreneurship.



Ms. Sunita Sharma
Working in the Ministry of Home Affairs (SSF)



Ms. Kavita Kumawat
Sales Executive & Finance Manager, Pro Fincare Pvt. Ltd., Jaipur



Ms. Neha Sharma
Senior Manager, KK Finance Company



Ms. Tanu Prajapat
Best Player Award in District Level Shooting Ball Sports Competition



Ms. Neha Gurjar
Represented Rajasthan University at Inter University National in Kabaddi



Ms. Neha Gurjar
Silver Medal at Inter Collegiate Athletic Meet 2018-19 Held at University of Rajasthan





गृह विज्ञान शिक्षकों में अपूर्व कौशल एवं क्षमताएं, पहचानने व साबित करने की आवश्यकता - प्रोफेसर नील शर्मा

शिक्षण के अलावा अन्य क्षेत्रों में अपूर्व कौशल और क्षमताओं को पहचानने और साबित करने की आवश्यकता है। प्रोफेसर नील शर्मा ने कहा कि शिक्षकों को अपने कौशल और क्षमताओं को साबित करने की आवश्यकता है।



उद्यमिता तथा स्वरोजगार के माध्यम से भारत को आत्मनिर्भर बनाने में गृह विज्ञान विषय की महत्वपूर्ण भूमिका

विद्यार्थियों को उद्यमिता के माध्यम से स्वरोजगार के अवसरों को पहचानने और साबित करने की आवश्यकता है। गृह विज्ञान विषय के माध्यम से छात्रों को उद्यमिता के माध्यम से स्वरोजगार के अवसरों को पहचानने और साबित करने की आवश्यकता है।



कन्या महाविद्यालय में मनाया गया मानवाधिकार दिवस

शहर के मोरोजा रोड स्थित कन्या महाविद्यालय में मानवाधिकार दिवस मनाया गया। इस अवसर पर निबंध और पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। प्राचार्य डॉ. कविता गौतम ने अपने उद्घोष में बताया कि मानवाधिकार की घोषणा 10 दिसम्बर 1948 को संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा की गई। यह अधिकार मानव के वे मूल अधिकार हैं जिनके बिना मानव जीवन संभव नहीं है।

कन्या महाविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का हुआ समापन

शहर के मोरोजा रोड स्थित कन्या महाविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का समापन हुआ। प्राचार्य डॉ. कविता गौतम ने अपने उद्घोष में बताया कि मानवाधिकार दिवस का आयोजन करने का उद्देश्य छात्रों में मानवाधिकार के प्रति जागरूकता पैदा करना है।



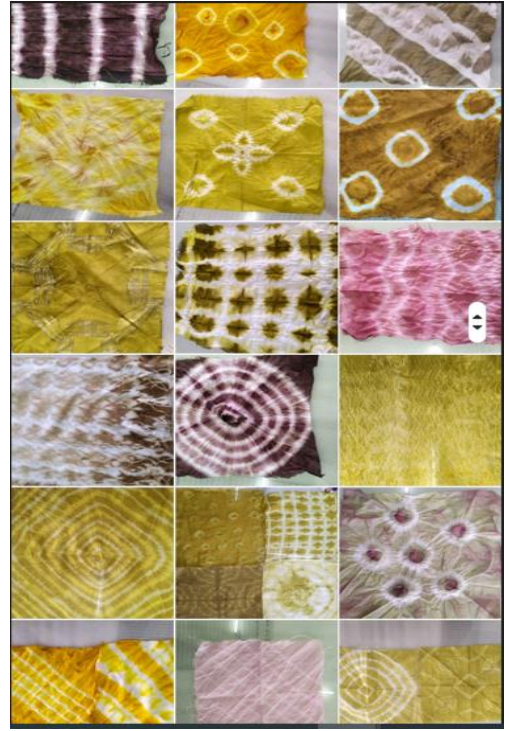
राजस्थान गृह विज्ञान विषय के ऑनलाइन फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारंभ

राजस्थान गृह विज्ञान विषय के ऑनलाइन फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम में शिक्षकों को ऑनलाइन शिक्षण के माध्यम से अपने कौशल और क्षमताओं को अपडेट करने का अवसर मिला।

चौमू थानाधिकारी ने साईबर क्राइम व कानून पर स्वयंसेविकाओं को दिया व्याख्यान

चौमू थानाधिकारी ने साईबर क्राइम व कानून पर स्वयंसेविकाओं को दिया व्याख्यान। इस कार्यक्रम में स्वयंसेविकाओं को साईबर क्राइम से निवारण करने के तरीके और कानूनी प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई।





कन्या महाविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का हुआ समापन

दीपक सेनी

चौधूं शहर के मोरीजा रोड स्थित राजकीय कन्या महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ. संधू देवाल गुप्ता की अध्यक्षता में राष्ट्रीय सेवा योजना व स्काउट गाइड के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित का अमृत महोत्सव आयोजन के तहत जन उसव सप्ताह के रूप में 24 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक विचार, भाषण, प्रश्नोत्तरी व पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्राचार्य गुप्ता ने बताया कि भाषण प्रतियोगिता का विषय आजादी के अतिथि में शहीदों का योगदान रहा। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान तुषा वर्मा वीर्य भाग प्रथम ने प्रथम स्थान तथा टीना जाट वीर्यसो भाग प्रथम ने द्वितीय स्थान प्राप्त



किया। बाद विवाद प्रतियोगिता में अंजलि जांजिड़ और प्रथम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में तस्वीरा बानी रूप ए प्रथम स्थान पर रहे। पोस्टर प्रतियोगिता में निशा प्रजापत वीर्य भाग प्रथम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अंभलाता जैमन व सौरभल जाट ने धनवाट जांजिड़ किया। स्काउट प्रभाती नीलम शर्मा और साहित्य परवती पटन ने छात्राओं को सहाय सेवा देतु प्रेरित किया। कार्यक्रम के निर्वाह अधिकारी डाक्टर लीवीक हुसैन व डाक्टर राजेश्वरी रहे। साथ ही स्टाफ के अन्य संकाय सदस्यों एवं शिक्ष सैनी ने भी कार्य क्रम में सिरकत की।

चौधूं थानाधिकारी ने साइबर क्राइम व कानून पर स्वयंसेविकाओं को दिया व्याख्यान

राजकीय कन्या महाविद्यालय के एनएसएस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हुए शामिल और दिया व्याख्यान



राजकीय कन्या महाविद्यालय के एनएसएस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हुए शामिल और दिया व्याख्यान

एस आर्डी ज्योति व शिवराम श्री रहे अतिथि

राजकीय कन्या महाविद्यालय के एनएसएस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हुए शामिल और दिया व्याख्यान



कन्या महाविद्यालय में मनाया गया मानवाधिकार दिवस

दीपक सेनी

जागरूक टाइम्स संवाददाता चौधूं शहर के मोरीजा रोड स्थित है राजकीय कन्या महाविद्यालय में मानवाधिकार दिवस मनाया गया। इस अवसर पर निबंध और पोस्टर प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। प्राचार्य डॉ. कविता गौतम ने अपने उद्बोधन में बताया कि मानवाधिकार की घोषणा 10 दिसम्बर 1948 को संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा की गई। यह अधिकार मानव के वे मूल अधिकार हैं जिनके बिना मानव जीवन संभव नहीं है। हिरोशिमा और नागासाकी युद्ध के बाद जब मानव जीवन की संभावनाएं लगभग खत्म सो हो गई तब इन अधिकारों का प्रादुर्भाव हुआ यह अधिकार मानव जीवन के आवश्यक अधिकार हैं। डॉ. तौफीक हुसैन ने अपने वक्तव्य में बताया कि मानव अधिकार मानव के लिए जरूरी है, लेकिन तभी तक आवश्यक है जब भी जब हम अपने कर्तव्यों का निरंतर पालन करते रहे। कार्यक्रम का व्यवस्थित संचालन एवं आयोजन मानवाधिकार क्लब की डॉ. प्रणु शुक्ला ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. कविता गौतम, डॉ. तौफीक हुसैन, डॉ. नरेश अग्रवाल, डॉ. राजेश्वरी देवी राठीड, शिव सैनी, एनएसएस की संयुक्त इकाइयों के सौरभल जाट, डॉ. अंभलाता जैमन, स्काउट की संयुक्त इकाइयों के नीलम शर्मा, शाहीना परवीन मौजूद रही।



A Glimpse of Our Achievers

S.N.	NAME	WORK POSITION
1	Ms. Sunita Sharma	Working in the Ministry of Home Affairs (SSF) New Delhi
2	Dr. Renee Sain	working as Assistant Professor at Jawahar Lal Nehru University, Delhi.
3	Ms. Shashikala Gora	Working as Assistant Professor in ABST at Govt. College, Kaladera
4	Ms. Pratibha Sharma	Working as Assistant Professor Commerce in Govt. College, Kaladera
5	Neha Sharma	1 st Grade Teacher in Govt. School
6	Shiva sharma	1 st Grade Teacher in Govt. School
7	Ms. Kavita Kumawat	Sales Executive & Finance Manager, Pro Fincare Pvt. Ltd., Jaipur
8	Neha Sharma	working in Finance Company (.K.K. Finance Company)
9	Megha Sharma	Running Mahamaya Textile Enterprises
10	Dr. Vandana Sharma	Working as a Lecturer- guest Faculty
11	Dr Sampatti Gupta	Junior Accountant JVVNL
12	Ms. Nimita Agarwal	Junior Accountant JVVNL, Jaipur
13	Rinku Thawariya	Junior Accountant JVVNL, Jaipur
14	Monika Agarwal	Branch Manager Syndicate Bank , Tonk
15	Dharma Jat	Running her own gym.
16	Ms. Sangeeta Sharma	Running her own school
17	Archana Kumawat	Ex Chairperson Nagar Palika, Chomu
18	Ms. Neeli Sharma	Running her own Beauty Parlour at Mehrili, Sikar
19	Ms. Varsa Soni	Assist. Section office in Ministry of Finance
20	Jyoti Agarwal	Running her own Dance Classes
21	Antima Rawat	Working in Barala Hospital Chomu Financial Management
22	Vandana Dixit	Working in K R Hospital Chomu as Feedback receiver HR Assistant

Problems Encountered and Resources Required

❖ Problems Encountered:

- Social and economic barriers.
- Patriarchal mental setup of society.
- Limited access to educational resources especially for girls.
- Required special financial support for girls' colleges.
- Limited transport facilities from rural areas

❖ Resources Required:

- Autonomy to college in terms of MOUs and other skill development drives.
- Provision of adequate public transport facilities
- Proper safety measures by the government especially for girls commuting from interior and distant places
- Fitness and self-defence courses for girls by the state administration at the college level
- Skill development courses to be included in the regular curriculum

Best Practice 2

ENVIRONMENTAL CONSCIOUSNESS

Objectives of the practice

Environmental health is one of the foremost concerns in the world we live in today and there is a great sense of urgency towards combating environmental degradation and encouraging conservational practices. In the rural area where 70% of the Indian population resides and is directly dependent upon natural resources, students should be aware of their responsibilities towards making the environment clean and green. With the objective of contributing towards the efforts of improving the environment around us, Government Girls College, Chomu took the onus upon itself to fulfil its institutional responsibilities by conducting various environmental-based activities.

The Context

The history of Rajasthan is blessed with women's contributions to the environmental conversation and their successful sacrifices. In 1730 AD, a small village located 26 km southeast of Jodhpur in Rajasthan witnessed probably the first and most fierce environment protection movement in the history of the country. In the global scenario, the biggest in environmental history is the Green Belt Movement. The Nobel prize winner Wangari Maathai founded this movement on environment day in June 1977. Government Girls College, Chomu is located on NH-11, 33 km far from Jaipur in Chomu, and is about 5.01 hectares. A large area of the college is not constructed; vacant land is planted with the help of the forest department. The institution, as it is a college for women, has been encouraging plantation and the practice of maintaining the environment through awareness campaigns among students. It aims to bring environment restoration, beautification as well as a good climate for us.

The Practice

The college has run a number of campaigns and rallies to spread awareness and execute practices to save and conserve the environment. The NSS units and Ranger units of the college have played an active role in promoting environmental conservation in society in general. The department of Botany conducts class workshops for the students to explain and make them understand the economic and medicinal value of plants through displays of plants and detailed charts. The use of plastic bags is avoided on campus and the authority has declared the entire campus as a "No Plastic Zone" and a 'No Tobacco Zone.' NSS units organized 'Harit Rajasthan' Program on 24 July 2017 and plantation drive from 24th July 29th July 2017. An awareness rally was conducted on 24th September 2019 to spread awareness about environment consciousness as a part of the fortnight program of 150th anniversary of Mahatma Gandhi (24-09-2019 to 08-

10-2019). A cleaning drive has also been carried out by NSS volunteers and Ranger units from time to time. "Swacchta Pakhwada" has been organised from 02 October to 17 October 2020 by the college during which all students and staff members have contributed to cleaning the campus. The tree plantation drive is initiated in the campus and nearby areas by NSS volunteers, Rangers and through the Aanandam programme.

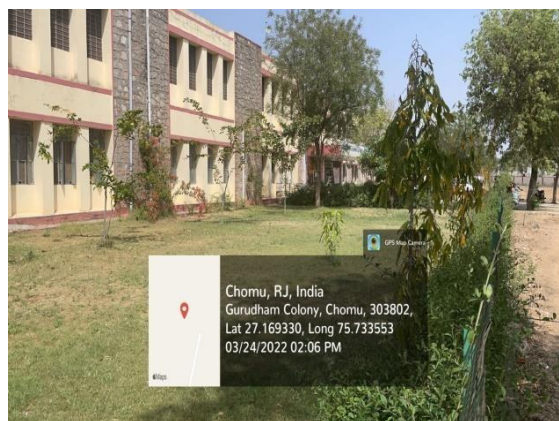
A field trip was undertaken by the students of the Department of Science to *Smriti Van*. The field trip was conducted with the intention to give students a field based study on the importance of the eco-tourism in providing a means of livelihood to the people.

Students have also contributed to protecting and conserving the environment in many ways:

- Students have been motivated to keep the environment of their houses healthy by growing plants such as medicinal, ornamental and vegetable plants which can be easily grown. This practice inculcated the hobby of gardening among them.
- Students and staff are motivated to use jute bags or cotton bags.
- The students and staff have planted several tree saplings during various tree plantation programmes organized by the institution through the NSS units and all these trees are taken care of and maintained by the volunteers.
- Students have been inspired to pursue habits and practices like not spoiling and harming plants/trees during their visits to the garden and public areas and to love and respect nature.

Evidence of success

Government Girls College, Chomu is committed to spreading environmental consciousness and environment protection through the core values and its vision. The institution makes all possible efforts to make the premises green and eco-friendly. To spread awareness and make the campus green, the institution has organised many activities like regular plantation drives, poster competitions, social campaigns, field visits, workshops and seminars.



The institution has an environment-friendly campus with a well-maintained garden and a number of trees of environmental and medicinal importance. The institution is committed to raising the

level of environmental consciousness among students and inspiring them to conserve and protect the environment through its curriculum and regular extension activities.

A new garden has been developed and maintained in front of the college building. The trees and plants which can be grown with minimum water resources have been planted in the garden and on the campus. Trees, shrubs, climbers, herbs and seasonal flowers are planted in the botanical garden which assists the students in their studies. Medicinal plants like Aloe Vera, Azadirachta Indica Tyiophora and Osmium sanctum etc., are also maintained on the campus. Non-toxic chemicals are included in the institution's practical curriculum. Most of the waste generated is water-soluble and ultimately disposed of through a normal sewage system, diluted largely so bio magnifications are negligent. Dust bins are placed all over the campus to inculcate the habit of cleanliness among students. LED lights are being used on campus to save electricity. The solar energy plant is to be installed soon on the campus.

NSS volunteers of the college play a major role in awareness of plantation and cleaning the college environment. They run campaigns for teaching villagers how to keep houses and surrounding areas clean and its benefits to avoid all harmful effects. The Department of Botany organized a class workshop for the B.Sc. students explaining and making them understand the economic and medicinal value of plants through displays of plants and detailed charts. The college garden comprises grassy lawns herbs, shrubs trees and climbers. Angiosperms with few Gymnosperms growing on the college campus like Neem Cassia, Khejri, China rose, Amla, Bael, etc. are displayed with their respective Botanical Name Plates. Also, various ornamental, medicinal and seasonal flowering plants are grown every year for the students' studies purposes.



कन्या महाविद्यालय की रोवर रेंजर एवं एनएसएस के तत्वावधान में हुआ वृक्षारोपण





Problems Encountered and Resources Required

❖ Problems Encountered:

- Regular power cuts and dearth of electricity production.
- Lack of fund.
- Insufficient system for solar power generation.
- Underground water availability is very low as compared to exiting ground water draft for all users.
- Lack of awareness at public level.

❖ Resources Required

- Funds for various environment friendly practices
- Sufficient solar power generation's equipment's.
- Appropriate waste segregation & disposal system
- Awareness drives for masses regarding -
 - Waste disposal
 - Energy & water conservation
 - Women education & Employment.